विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम् दिनांक -06 - 12 - 2021

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक - पंकज कुमार

सुप्रभात् बच्चों आज विराम चिन्ह के बारे में अध्ययन करेंगे।

विराम चिन्ह

विराम चिन्ह की परिभाषा

भिन्न-भिन्न प्रकार के भावों और विचारों को स्पष्ट करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग वाक्य के बीच या अंत में किया जाता है, उन्हें 'विराम चिह्न' कहते है।

दूसरे शब्दों में- विराम का अर्थ है - 'रुकना' या 'ठहरना' । वाक्य को लिखते अथवा बोलते समय बीच में कहीं थोड़ा-बहुत रुकना पड़ता है जिससे भाषा स्पष्ट, अर्थवान एवं भावपूर्ण हो जाती है। लिखित भाषा में इस ठहराव को दिखाने के लिए कुछ विशेष प्रकार के चिह्नों का प्रयोग करते हैं। इन्हें ही विराम-चिह्न कहा जाता है।

सरल शब्दों में- अपने भावों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए या एक विचार और उसके प्रसंगों को प्रकट करने के लिए हम रुकते हैं। इसी को विराम कहते है।

इन्हीं विरामों को प्रकट करने के लिए हम जिन चिह्नों का प्रयोग करते है, उन्हें 'विराम चिह्न' कहते है।

यदि विराम-चिह्न का प्रयोग न किया जाए तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है।

जैसे-

- **रोको मत जाने दो।**
- **रोको, मत जाने दो।**

- **रोको मत, जाने दो।**

उपर्युक्त उदाहरणों में पहले वाक्य में अर्थ स्पष्ट नहीं होता, जबकि दूसरे और तीसरे वाक्य में अर्थ तो स्पष्ट हो जाता है लेकिन एक-दूसरे का उल्टा अर्थ मिलता है जबकि तीनो वाक्यों में वही शब्द है। दूसरे वाक्य में 'रोको' के बाद अल्पविराम लगाने से रोकने के लिए कहा गया है जबकि तीसरे वाक्य में 'रोको मत' के बाद अल्पविराम लगाने से किसी को न रोक कर जाने के लिए कहा गया हैं।

विराम चिन्ह के प्रकार

1. **अल्प विराम (,)**
2. **अर्द्ध विराम (;)**
3. **पूर्ण विराम (।)**
4. **उप विराम [:]**
5. **विस्मयादिबोधक चिह्न (!)**
6. **प्रश्नवाचक चिह्न (?)**
7. **कोष्ठक (())**
8. **योजक चिह्न (-)**
9. **अवतरण चिह्न या उद्धरणचिह्न ("... ")**
10. **लाघव चिह्न (o)**
11. **आदेश चिह्न (:-)**
12. **रेखांकन चिह्न (_)**
13. **लोप चिह्न (...)**